

since 1st October, 1961; how many of them were detected, in how many cases prosecutions were launched and with what result?]

गृह-कार्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बी० एन० दातार) : अपेक्षित सूचना संलग्न विवरण पत्र में दी गई है।

विवरण

प्रथम अक्टूबर, १९६१ से २८ फरवरी, १९६२ तक दिल्ली और नई दिल्ली में हुई चोरियां

चोरियों की संख्या	पकड़े गए मामले	जिन मामलों में मुकदमे चलाए गए	मुकदमों का परिणाम	
२९७४	३६४	३२०	दोषी ठहराए गए	६६
			विमुक्त किए गए	५
			न्यायालयों में निपटानार्थ बचे हुए	२१६
				३२०

†[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI B. N. DATAR): The requisite information is contained in the attached statement.

STATEMENT

Number of Thefts committed in Delhi and New Delhi 1st October, 1961 to 28th February, 1962

No. of thefts committed	Cases detected	Cases in which prosecutions launched	Result of prosecutions	
2974	364	320	Convicted	99
			Acquitted	5
			Pending disposal in Courts	216
				320

व्यापार-शिक्षा सम्बन्धी समिति की रिपोर्ट

१४५. श्री भगवत नारायण भार्गव : क्या वैज्ञानिक अनुसंधान और सांस्कृतिक कार्य मंत्री ६ सितम्बर, १९६१ को राज्य सभा में तारांकित प्रश्न संख्या ५६३ के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि व्यापार शिक्षा के पुनर्गठन और विकास के बारे में बनी समिति की मुख्य

मुख्य सिफारिशें क्या हैं और उन पर क्या कार्यवाही की गई है ?

†[REPORT OF THE COMMITTEE ON COMMERCE EDUCATION

145. SHRI B. N. BHARGAVA: Will the Minister of SCIENTIFIC RESEARCH AND CULTURAL AFFAIRS be pleased to refer to the answer given to Starred Question No. 563 in the Rajya Sabha

†[] English translation.

on the 6th September, 1961 and state the main recommendations made by the Committee on reorganisation and development of education in commerce, and the action taken thereon?]

वैज्ञानिक अनुसंधान और सांस्कृतिक कार्य मंत्री (श्री हुमायुन कबिर): व्यापार शिक्षा पर समिति की रिपोर्ट की एक प्रति सभा की लाइब्रेरी में रखी गई है। सिफारिशों का संक्षेप रिपोर्ट के पृष्ठ ५५-६१ पर दिया गया है।

रिपोर्ट पर, तकनीकी शिक्षा की अखिल भारतीय परिषद ने ७ दिसम्बर, १९६१ की मीटिंग में विचार किया था।

समिति और परिषद की सिफारिशों पर भारत सरकार विचार कर रही है।

†[THE MINISTER OF SCIENTIFIC RESEARCH AND CULTURAL AFFAIRS (SHRI HUMAYUN KABIR): A copy of the report of the Committee on Commerce Education is placed in the Library of the Sabha. A summary of the recommendations is given at pages 55-61 of the report.

The report was considered by the All India Council for Technical Education at its meeting held on 7th December, 1961.

The recommendations of the Committee as also those of the Council are under the consideration of Government.]

केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों के रहन सहन और कार्य की दशाओं का अध्ययन करने के लिये समिति

१४६. श्री भगवत नारायण भागवत : क्या गृह-कार्य मंत्री २३ अगस्त, १९६१ को राज्य सभा में तारांकित प्रश्न संख्या २६६

के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों के रहन सहन और कार्य की दशाओं का अध्ययन करने के लिये नियुक्त की गई समिति का प्रतिवेदन प्राप्त हो गया है ; और

(ख) यदि हा, तो उस समिति के मुख्य निष्कर्ष और सिफारिशें क्या हैं ?

†[COMMITTEE TO STUDY THE LIVING AND WORKING CONDITIONS OF CENTRAL GOVERNMENT EMPLOYEES

146. SHRI B. N. BHARGAVA: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to refer to the answer given to Starred Question No. 296 in the Rajya Sabha on the 23rd August, 1961 and state:

(a) whether Government have since received the report of the Committee appointed to study the living and working conditions of the Central Government employees; and

(b) if so, what are the main findings and recommendations of the Committee?]

गृह-कार्य उपमंत्री (श्रीमती वायलेट अल्वा) : (क) जी, हां।

(ख) समिति ने एक विस्तृत क्षेत्र के बारे में सिफारिशें की हैं जिनके अंतर्गत काम करने की परिस्थितियाँ, आवास, शिक्षा तथा चिकित्सा सम्बन्धी सुविधाएँ, कैंटीन, सहकारी संस्थाओं की तरक्की और अन्य सुख सुविधाओं की व्यवस्था जैसे विषय आते हैं।

†[THE DEPUTY MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRIMATI VIOLET ALVA): (a) Yes.

(b) The Committee has made recommendations in respect of a wide range of subjects like working conditions, residential accommodation, edu-